○ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2019 24 पृष्ठीय (2)

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

[redacted] ध्यम

हिन्दी 0 0 1 हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक 319- 3412309

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	9	2	4	4	1	9	7	7	–

शब्दों में

सीधे हिंदी में उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :— पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :— परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 06

ग :— परीक्षा का दिनांक 02 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा C.N. -241220

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Santosh Sahu	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : परीक्षक ... मुद्रा

B.L.RANA Lect.
V. NO. 782201
H.S.

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की विष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	

प्रथमाक

(2) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 2 के अंक — कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 01. के उत्तर

(i) रेवती ।

(ii) बालकृष्ण शर्मा नवीन ।

(iii) गानपक्ष

(iv) प्रगतिवाद ।

(v) ध्यान न देना ।

BSE

प्रश्न क्रमांक 02. के उत्तर

(i) जय कुमार जलज ।

(ii) सातवें वर्ष में ।

(iii) चिरगाँव ।

(iv) कमल ।

(v) ऊँट के मुँह में जीरा । घी के दिये जलाना ।

3 [redacted] + [redacted] = [redacted]

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 03. के उत्तर

(i) सत्य।

(ii) असत्य।

(iii) सत्य।

(iv) सत्य।

(v) असत्य।

प्रश्न क्रमांक 04. के उत्तर

(i) मंगलवर्षा – भवानी प्रसाद मिश्र

(ii) अध्यक्ष महोदय – व्यंग्य विधा

(iii) मेरे जीवन के कुछ चित्र – डॉ. रामकुमार वर्मा

(iv) लक्ष्यार्थ – मुहावरा

(v) रस के अंग – चार

4 + पृष्ठ 4 के =

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 06. का उत्तर (अथवा)

मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित महत्ता कविता के आधार पर
सभी देश हमारे यहाँ अर्थात् भारत में "विद्या -
को ग्रहण" करने के लिए आते हैं।

~~(खाली)~~ ~~(रिक्त स्थान)~~

प्रश्न क्रमांक 05. का उत्तर

B S E

(i) किन्हीं दो बोलियों के नाम निम्नलिखित हैं -
(i) बुन्देली।
(ii) मालवी।

(ii) 'देह पर गर्व नहीं करना चाहिए' यह मीरा-
बाई ने इसलिए कहा है क्योंकि हमारा
शरीर क्षणभंगुर है; मिट्टी से बना हुआ है और
अंत में उसी में लय (मिल) जाएगा।

(iii) जहाँ उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ या न्यून
बताया जाए वहाँ "व्यतिरेक अलंकार" होता
है।

(iv) 'गीता और स्वधर्म' निबंध के लेखक
"आचार्य विनोबा भावे जी" हैं।

5

प्रश्न क्र.

(ग) एक नैनोमीटर का साइज मानव बाल के 5 हजारवें हिस्से के बराबर होता है।

प्रश्न क्रमांक 07. का उत्तर

कबीर दास जी ने साधु अर्थात् सज्जन पुरुषों की संगति करने की कहा है, जिससे उसकी सज्जनता का प्रभाव हम पर भी पड़ जाए।

प्रश्न क्रमांक 08. का उत्तर

गजानन माधव 'मुक्तिबोध' ने धरती और बसंत के बारे में बताया है कि "यदि धरती मानव है तो बसंत मानवता है।"

प्रश्न क्रमांक 09. का उत्तर

केवट जो गंगा नदी के तट पर निवास करता था उसकी जीविका का एक मात्र आधार उसकी "नाव" थी।

प्रश्न क्रमांक 10. का उत्तर (अथवा)

चातक को घनानंद जी ने घातक इसलिए कहा है क्योंकि वह अपनी वाणी द्वारा विरही हृदय को आघात पहुँचा रहा है।
यहाँ विरही हृदय से आशय स्वयं घनानंद जी है।

6 [ ] + [ ] = [ ]
यो ... कु

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 11. का उत्तर

कपिलवस्तु के राजा गौतम अपनी पत्नि एवं बेटे को अर्द्धरात्रि में छोड़कर संसार के दुःखों से मुक्ति पाने अर्थात् तपस्या करने हेतु जंगल, पर्वत और न जाने कहा चले गए थे।

प्रश्न क्रमांक 012. का उत्तर (अथवा)

युद्ध में आज स्वजन सम्बन्धियों की चार पीढ़ियाँ अर्थात् दादा, बेटे, पोते एवं बाप आदि एकत्र हुई थी।

प्रश्न क्रमांक 13. का उत्तर (अथवा)

गाँव की संध्या में पूजाभाव घंटियों की टनटनाहट एवं शंखनाद आदि की मिश्रित स्वरलहरी में प्रकट होता है।

प्रश्न क्रमांक 14. का उत्तर

बाँसुरी की मीठी टेर सुनकर देवकी को ऐसा लग रहा था कि उनके चारों ओर आलौकिक पुष्पों की बगिया (बगीचा) हो जिसमें से सुन्दर सुगंध प्रवाहमान हो रही हो, जिससे उनका मन प्रसन्न हो रहा है।

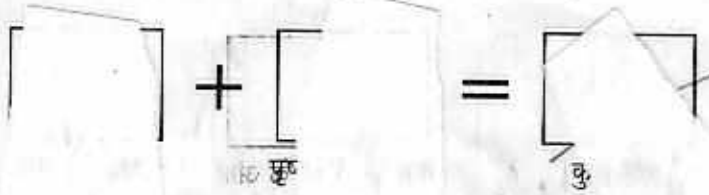

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 16. का उत्तर

शुद्ध वाक्य

(i) अब आपका स्वास्थ्य कैसा है?

(ii) उसके होश उड़ गये।

प्रश्न क्रमांक 16. का उत्तर (अथवा)

महाकाव्य के लक्षण निम्नलिखित है.

(i) महाकाव्य में किसी व्यक्ति या वस्तु (संज्ञा) के संपूर्ण जीवन का वर्णन किया जाता है।

(ii) महाकाव्य में पात्रों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक होती है।

(iii) महाकाव्य आकार में विस्तृत होता है।

8 [ ] + [ ] = [ ]

योग पृष्ठ क

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर (अथवा)

"गौरा" को महादेवी वर्मा अपनी बहिन (श्यामा) के घर से लाई थी वह लगभग एक वर्ष बाद सुन्दर वत्स (बछड़े) की माँ बनी। गौरा प्रतिदिन बारह सेर दूध दिया करती थी जिसमें से कई सेर दूध लालमणि को छोड़ने पर भी इतना दूध शेष बचा रह जाता था कि आस-पास के बाल-गोपाल एवं महादेवी वर्मा के घर में पले अन्य जानवरों के लिए पर्याप्त हो जाता था इस प्रकार मानो 'दूधो नहाओ' का आर्शीवाद फलित होने लगा।

सेर : यह एक इकाई है जिसके द्वारा द्रव्यात्मक पदार्थों को मापा जाता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 18. का उत्तर

भाषा और विभाषा में अंतर निम्नलिखित है -

भाषा	विभाषा
(i) यह बोली एवं विभाषा का विस्तृत (बड़ा) रूप है।	यह भाषा का लघु रूप है और बोली का विस्तृत रूप।
(ii) इसके उपयोग का क्षेत्र विस्तृत होता है।	इसका उपयोग एक निश्चित क्षेत्र में सीमित रूप में किया जाता है।
(iii) इसमें साहित्यिक कार्य बड़े पैमाने पर किए ~~जाते~~ जाते हैं।	इसमें साहित्यिक कार्य बहुत सीमित स्तर पर किए जाते हैं।
(iv) यह किसी बड़े भू-भाग के लोगों की संपर्क भाषा हो सकती है।	यह संपर्क भाषा के रूप में नहीं हो सकती।
(v) उदा. - भारत की राष्ट्र भाषा हिन्दी है। (i) हिन्दी (ii) अंग्रेजी आदि।	उदा० (i) ब्राचड़ (ii) खस (iii) शौरसेनी आदि

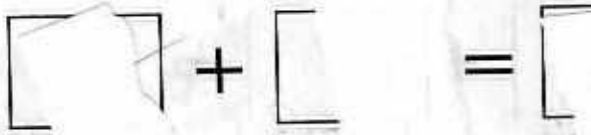

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19. का उत्तर (अथवा)

श्रृंगार रस

श्रृंगार रस का स्थायी भाव 'रति' होता है। यह दो प्रकार का होता है -

(i) संयोग श्रृंगार।
(ii) वियोग श्रृंगार।

उदाहरण :-

राम कौ रूप निहारति जानकी, कंकन के नग की परछाही।
याते सबै सुध भूल गई, कर टेक रही पल टारत नाहीं॥

प्रश्न क्रमांक 20. का उत्तर (अथवा)

आत्मकथा के लेखक एवं उनकी रचनाएँ निम्नलिखित है -

क्र.	आत्मकथा लेखक	रचना
01.	भारतेन्दु हरिश्चंद	कुछ आप बीती कुछ जग बीती
02.	महात्मा गाँधी	सत्य के प्रयोग
03.	बाबू गुलाबराय	मेरी असफलताएँ

[क्रं० प्र० उ०]

प्रश्न क्र.

<u>आत्मकथा की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -</u>

(i) आत्मकथा में लेखक स्वयं के जीवन की घटनाओं के बारे में वर्णन या चित्रण करता है।

(ii) आत्मकथा किसी भी व्यक्ति की हो सकती है अर्थात् सामान्य व्यक्ति के जीवन का भी चित्रण किया जा सकता है।

(iii) आत्मकथा में काल्पनिकता भी हो सकती है।

B
S
E

<u>प्रश्न क्रमांक 21. का उत्तर (अथवा)</u>

रहस्यवाद की चार विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(i) <u>अलौकिक सत्ता के प्रति प्रेम</u>: रहस्यवाद में सभी रचनाकारों ने अलौकिक सत्ता के प्रति प्रेम को दर्शाया है और इसी आधार पर रचनाएँ की हैं।

(ii) <u>जिज्ञासा की भावना</u>: इस युग में ईश्वर एवं प्रकृति के रहस्यों के प्रति सतत् जिज्ञासा की भावना रही है।

(iii) <u>ईश्वर से विरह-मिलन का भाव</u>: इस युग में सभी रचनाकारों ने

[क्र०पृ०उ०]

योग पृ

पृष्ठ

प्रश्न क्र.

ईश्वर को विरहणी मानते हुए उनसे मिलने की आशा की है।

iv) प्रतीकों का प्रयोग : इस युग के कवियों ने अपनी रचनाओं में बहुत से प्रतीकों का प्रयोग किया है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 22 का उत्तर

साहित्यिक परिचय

"श्री शरद जोशी"

(i) दो रचनाएँ : (i) अन्धों का हाथी।
(ii) एक था गधा।

(ii) भाषा-शैली : आपने अपनी रचनाओं में व्यंग्यात्मक भाषा का प्रयोग किया जो सभी पाठकों का आकर्षण का केन्द्र है आपने अपनी रचनाएँ सामान्य पाठक को ध्यान में रखकर की है और रचनाओं के बीच में अन्य भाषाओं के शब्द भी देखने को मिलते है। आपने मुहावरों एवं कहावतों का भरपूर प्रयोग किया है।
आपकी शैली मुख्यत: व्यंग्य प्रधान रही है और समाज में फैली कुरीतियों का चित्रण भी बड़ी मार्मिकता से व्यंग्य रूप में किया है।

i) साहित्य में स्थान : हिन्दी साहित्य में महान व्यंग्यकार के रूप में आप प्रसिद्ध है। आपने अपनी रचनाओं के माध्यम से हिन्दी साहित्य को अमूल्य उपहार प्रदान किया है जिसे हिन्दी साहित्य सदैव आपका ऋणी रहेगा। आप हिन्दी साहित्य जगत में सदैव अमर रहेंगे।

B
S
E

प्रश्न क्र.

B S E

प्रश्न क्रमांक 23. का उत्तर

कवियगत परिचय

"श्री जयशंकर प्रसाद"

(i) दो रचनाएँ : (i) कामायनी ।
(ii) लहर ।

(ii) भावपक्ष - कला पक्ष : प्रसाद के काव्य को पढ़ने पर यह अंतर कर पाना कठिन है कि उनका भावपक्ष श्रेष्ठ है या कला पक्ष ।
आपकी भाषा मुख्य रूप से हिन्दी, खड़ी बोली होने के साथ-साथ अन्य भाषाओं के शब्दों का भी प्रयोग किया है । आपकी भाषा में प्रवाह एवं गंभीरता का पुट मिलता है । आपकी रचनाओं में ओज एवं प्रसाद गुण की प्रधानता है । आपने सामाजिक एवं अन्य विषयों को लेकर लेखन कार्य किया है ।

(iii) साहित्य में स्थान : जयशंकर प्रसाद एक कवि के साथ-साथ उच्चकोटि के लेखक भी हैं । आपने अपनी रचनाओं के द्वारा साहित्य की धारा को गति प्रदान की है, आप सदैव स्मरणीय रहेंगे ।

(15) [ ] + [ ] = [ ]
योग पृष्ठ अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक १५. का उत्तर (अथवा)

यह संसार — — — — — — — — — — — — सार्थकता है।

संदर्भ : प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक स्वाति के गद्य खण्ड के खेल कहानी से अवतरित है जिसके रचनाकार जैनेन्द्र कुमार जी है।

प्रसंग : इस गद्यांश में लेखक ने संसार के सत्य को उजागर किया है।

व्याख्या : लेखक कहता है कि यह संपूर्ण संसार क्षणभंगुर अर्थात् एक ही क्षण (पल) में नष्ट हो जाने वाला है और इस बात में कोई दुखी होने की आवश्यकता नहीं है।
जैनेन्द्र कुमार जी कहते है कि जो वस्तु जिस पदार्थ से बनी है अंत में उसी मे मिल जाएगी अर्थात् वह नष्ट हो जाएगी इसमें किसी भी शोक से खेद प्रकट करने की जरूरत नहीं है।
लेखक कहता है कि यह संसार एक जल में उत्पन्न हुए बुदबुदे के समान है जो कभी भी जल में ही नष्ट होकर उसी में मिल जाता है अर्थात् यह क्षणिक उसका धर्म ही है और इसी मे उसकी सार्थकता है।

विशेष : (i) संसार की क्षणभंगुरता को बताया।
(ii) मानवीयकरण अलंकार।
(iii) भाषा सरल, सहज एवं गंभीर।

योग + पृष्ठ =

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक २५. का उत्तर (अथव)

मैया कबहि ________________ चोटी॥

संदर्भ : प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक ~~भाषा भारती~~ स्वाति के पद्य खण्ड के "सूर के पद" नामक शीर्षक काव्य से अवतरित है इसके रचनाकार श्री सूरदास जी है।

प्रसंग : सूरदास जी ने कृष्ण और यशोदा के (मध्य) बीच ; कृष्ण की चोटी बढ़ने को लेकर वार्तालाप का वर्णन किया है।

व्याख्या ; सूरदास जी कहते है कि श्री कृष्ण अपनी माँ से कहते है कि मैया मेरी यह चोटी कब लंबी होगी, कितना समय हो गया है मुझे दूध पीते-पीते किन्तु यह छोटी की छोटी ही है, मैया आप तो कहती थी कि दूध पीने से मेरी चोटी लंबी हो जाएगी और मोटी भी हो जाएगी जिसे ओछने पर धोने पर एवं इसका जूड़ा बनने पर यह नागिन की तरह लटकेगी अर्थात् लंबी और मोटी हो जाएगी।

विशेष : (i) वात्सल्य रस की प्रधानता।
(ii) पद गेय।
(iii) भाषा प्रवाहमय एवं सरल।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक २८. का उत्तर

(i) गद्यांश का शीर्षक :- "हिमालय का महत्व"

(ii) वैदिक काल से हिमालय को पवित्र माना जाता है।

(iii) हिमालय को देखकर ऐसा लगता कि सारी सृष्टि के प्रति समभाव जाग्रत हो गया हो।

(iv) यहाँ बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री आदि पवित्र तीर्थ हैं।

(v) शब्द - विच्छेद
(i) कृतज्ञता कृतज्ञ + ता
(ii) वैदिक वेद + इक

प्रश्न क्रमांक २९. का उत्तर (ब)

"रूपरेखा"

"जल संरक्षण"

(i) प्रस्तावना ।
(ii) जल का महत्व ।
(iii) जल का प्रदूषण ।
(iv) जल संरक्षण के लिए उपाय ।
(v) उपसंहार ।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 27. का उत्तर

420, सुभाष नगर
इंदौर 457017
दिनांक- 02 मार्च 2017

प्रिय मित्र, राम
नमस्ते।
मैं यहाँ कुशलता पूर्वक हूँ और वहाँ भी तुम्हारे कुशल होने की कामना करता हूँ। आज जब मैंने समाचार पत्र देखा तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा कि तुम प्रदेशस्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आए हो। समाचार पत्र में तुम्हारे वक्तव्य का कुछ अंश भी छपा था जो मैंने पढ़ा, वह बहुत ही अच्छा था तुमने जो भ्रष्टाचार के विपक्ष में अपने मत रखे है, मैं भी उनसे सहमत हूँ।
मैं तुम्हारी इस सफलता पर हार्दिक बधाई देता हूँ और कामना करता हूँ कि आगे भी इसी तरह सफलता को प्राप्त करते रहो।
तुम्हारे माता-पिता को चरण-स्पर्श एवं छोटे भाई को स्नेह।
शेष शुभ।...

तुम्हारा मित्र
सुभाष गोखले

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 24 का उत्तर (अ)

बेरोजगारी की समस्या

रूपरेखा :- (i) प्रस्तावना
(ii) बेरोजगारी से आशय
(iii) बेरोजगारी के कारण
(iv) बेरोजगारी रोकने के उपाय
(v) बेरोजगारी से समस्याएँ
(vi) उपसंहार

(i) प्रस्तावना : आज जब हम हमारे देश की समस्याओं की गणना करते है तब हम उनमें बेरोजगारी की समस्या को शीर्ष स्थान देते है। आज भारत विकासशील देश से विकसित देश की श्रेणी में केवल बेरोजगारी की समस्या के कारण नहीं आ पा रहा है।
ऐसे देश जहाँ के युवा शिक्षित है एवं कार्य करने में सक्षम है और उन्हे अनुकूल कार्यक्षमता के आधार पर कार्य मिले तो वह अपने कार्य को पूर्ण मन से करते है और वह देश उत्तरोत्तर उन्नति के मार्ग पर बढ़ता है। और यदि किसी देश में इसके विपरीत होता है तो वह देश विध्वंश के गर्त में चला जाता है और उसे पुनः विकसित होने में काफी समय लगता है।

प्रश्न क्र.

(ii) बेरोजगारी से आशय : बेरोजगारी शब्द का सामान्य अर्थ- "बिना रोजगार के" भी होता है परंतु यदि इसका व्यापक अर्थ में व्याख्या करें तो हम पायेंगे कि वह व्यक्ति जो कार्य एवं श्रम करने में सक्षम है और परंतु उसे उसकी कार्यक्षमता के अनुरूप कार्य की प्राप्ति नहीं हो पाती है तब इस स्थिति को भी बेरोजगारी की श्रेणी में गिना जाता है।
सामान्य रूप से बेरोजगारी निम्न प्रकार की होती है –
(i) सामान्य बेरोजगारी।
(ii) शिक्षित बेरोजगारी।
(iii) श्रमकार्य बेरोजगारी।
शिक्षित एवं श्रमकार्य बेरोजगारी सामान्य रूप से ~~मशीनी~~ आधुनिकरण के कारण ही उत्पन्न होती है।

(iii) बेरोजगारी के कारण : बेरोजगारी का प्रमुख कारण तो रोजगार की प्राप्ति न होना ही है परंतु इसके अलावा भी कई कारण हैं जिनके कारण बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न हो रही है।

(i) उद्योगों का अभाव: उद्योगों के अभाव में आज श्रमिक घर में बैठे हुए हैं उन्हें रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहा है।

(ii) पूँजी अभाव : आज हमारे पास पूँजी का अभाव है जिसके कारण हम छोटे स्तर पर

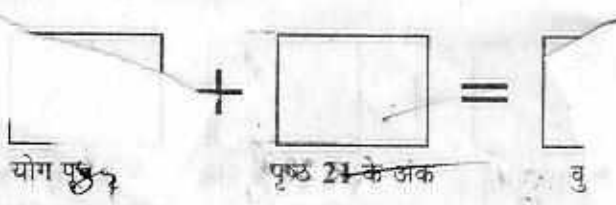

प्रश्न क्र.

लघु एवं कुटीर उद्योगों को खोलने में सक्षम नहीं है।

(iii) शिक्षा नीति : आज हमारी शिक्षा कार्य परक नहीं है जिससे सभी लोग सिर्फ मानसिक श्रम को महत्व देते है।

(iv) बेरोजगारी रोकने के उपाय : आज बेरोजगारी की स्थिति इतनी बढ़ चुकी है कि इस हेतु हमें सतत् प्रयास करने होंगे -

(i) शिक्षा नीति में बदलाव : बेरोजगारी रोकने हेतु हमें अपनी शिक्षा नीति में बदलाव करना होगा जिसमें केवल मानसिक श्रम को ही महत्व नहीं दिया जाना चाहिए बल्कि शारीरिक श्रम भी जरूरी होना चाहिए।

(ii) उद्योगों की स्थापना : बेरोजगारी दूर करने हेतु उद्योगों की स्थापना जरूरी है जिससे कि लोगों को उनकी कार्यक्षमता के अनुरूप कार्य मिल सके।

(v) बेरोजगारी से समस्याएँ : आज स्वयं बेरोजगारी ही हमारे सम्मुख खड़ी हुई है इसके अलावा भी अन्य कई समस्याएँ है जो बेरोजगारी की स्थिति के कारण उत्पन्न होती हैं।

(i) आतंकवाद : आतंकवाद की समस्या का मूल कारण

22 योग + पृष्ठ = कुल

प्रश्न क्र.

बेरोजगारी ही है। अनेक लोग धन के लालच में आतंकवादी संगठनों में शामिल हो जाते हैं।

(ii) **आंदोलन, अलगाववाद :** बेरोजगारी की स्थिति में लोग आंदोलन एवं अलगाववादी समूहों में शामिल हो जाते हैं।

(vi) **उपसंहार :** आज बेरोजगारी की स्थिती इतनी बढ़ चुकी है कि अगर इस पर अंकुश न लगाया गया तो यह देश की आर्थिक, सामाजिक, भौतिक एवं राजनैतिक दशा को हिला सकती है। यदि बेरोजगारी की बात भारत के परिपेक्ष में की जाए तो इसकी स्थिति बहुत ही खराब है यदि इस स्थिति में सुधार होता है तो निश्चित ही हमारा देश विकासित देशों की श्रेणी में आ जाएगा।

" आतंकवाद, आंदोलनों की एक ही है जननी,
इसे विवशता कहें या मजबूरी हमारी।
आज बेरोजगारी खड़ी समक्ष हमारे
नव उद्योग, पूँजी लगाकर करें नई तैयारी।
क्योंकि जरूरत है मूलभूत हमारी ॥"

B
S
E